खंड 5

SEP- OCT

गिफ्टेबल्ड फाउंडेशन व्यापक दिव्यांग पुनर्वास कार्यक्रम, उत्तर प्रदेश

BE BOLD, BE RED

VISIT WEBSITE

Written By: Claudia

गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन ने दिव्यांगों के लिए हियरिंग ऐड के उपयोग की गुणवत्ता सुनिश्चित की

गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन ने पिछले वर्ष 33 दिव्यांग लाभार्थियों को निशुल्क हियरिंगऐड प्रदान किए। टीम नेइन लाभार्थियों के लिए सामाजिकऑडिट किया, जिसमें उनके हियरिंग ऐडसे जुड़ी रिपेयरिंग, रिप्लेसमेंट, और अन्य समस्याओंकी जांच की गई। इस पहल का उद्देश्ययह सुनिश्चित करना है किसभी लाभार्थी अपने हियरिंग ऐडका सही और सुचारूरूप से उपयोग करसकें।

गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन द्वारा दिव्यांग बच्चों के मानसिक औरशारीरिक विकास के लिए न्यूट्रीशनपाउडर का कार्यक्रम चलायाजा रहा है। इसकार्यक्रम के तहत हरमहीने 200 से अधिक दिव्यांगबच्चों को फाउंडेशन द्वारानिशुल्क न्यूट्रीशन पाउडर उपलब्ध कराया जाता है। इसकार्य को सुचारू रूपसे चलाने के लिए एसजीग्रुप को न्यूट्रीशन पाउडरबनाने का प्रशिक्षण हरिप्रकाश के कराया गया।ताकि वे टीम कासहयोग कर सकें औरकार्यक्रम की गुणवत्ता बनाएरख सकें।

पायलट प्रोजेक्ट कार्यक्रम की शुरुआत: SC/ST समुदाय की लड़कियों के लिए अंग्रेजी साक्षरता और कंप्यूटर कौशल प्रशिक्षण

1 अक्टूबर 2024, "लर्नेबल प्रोजेक्ट" के अंतर्गत पायलट प्रोजेक्ट कार्यक्रम की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य SC/ST समुदाय की लड़कियों को 6 महीने की अंग्रेजी साक्षरता और कंप्यूटर कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य इन लड़कियों को सशक्त बनाना और उन्हें नौकरी में प्लेसमेंट के लिए सहायता करना है।

कार्यक्रम की शुरुआत एक बेसलाइन असेसमेंट से की गई, जिसमें प्रशिक्षुओं के वर्तमान कौशल स्तर का आकलन किया गया। इसके साथ ही, उम्मीदवारों के माता-पिता के साथ एक बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें उनके फीडबैक को ध्यान में रखा गया।

इस कार्यक्रम को लेकर उत्साह और उम्मीदें दोनों ही देखी जा रही हैं। स्थानीय समुदाय के सदस्यों ने भी इस पहल को सराहा है और इसे समाज में बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना है।

इस पहल के सफल कार्यान्वयन से न केवल SC/ST समुदाय की लड़कियों को नई संभावनाओं का सामना करने का मौका मिलेगा, बल्कि यह कार्यक्रम समाज में समानता और अवसरों के विकास की दिशा में भी एक बड़ा कदम साबित होगा।

स्वतंत्रता – आजीविका संसाधन सिलाई प्रशिक्षण केंद्र भिनगा केंद्र : अक्टूबर माह की मुख्य/ गतिविधियाँ:

कुल 26 नए लाभार्थियों का बेसिक कोर्स में नामांकन हुआ है और वे पूर्ण मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।
वर्तमान में 10 लाभार्थी एडवांस प्रशिक्षण ले रहे हैं और गारमेंट्स उत्पादन में सहयोग देते हुए अपनी आजीविका हेतु आय अर्जित कर रहे हैं।

27 अक्टूबर को DDRC के निदेशक और गिफ्टेबल्ड फाउंडेशन के क्षेत्रीय प्रमुख द्वारा संयुक्त रूप से भिंगा प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण किया गया।

6 माह से अधिक का बेसिक कोर्स पूरा करने वाले लाभार्थियों को 4 अक्टूबर को गिफ्टेबल्ड फाउंडेशन द्वारा विशेष समारोह में प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

प्रोडक्शन टीम द्वारा दशहरा और दुर्गा पूजा त्योहार के अवसर पर 5 दुर्गा पूजा आयोजन समितियों के अनुरोध पर 500 टी-शर्ट तैयार किए गए।

करुणानिधान दिव्यांगजन SHG द्वारा मसाले का उत्पादन कार्य शुरू किया गया है। इस माह SHG ने 100 बच्चों के लिए 100 किग्रा 'न्यूट्रिशन पाउडर' के उत्पादन में सहयोग दिया।

प्रशिक्षण केन्द्र पर उपस्थित लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने हेतु एक लाभार्थी शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें पात्रता के अनुसार योजनाओं की जानकारी दी गई और संबंधित लाभार्थियों की सूची तैयार की गई।

समावेशी शिक्षा

समावेशी शिक्षा केन्द्र में बच्चों के लिए समूह गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं, जो उन्हें नई चीज़ें सीखने और स्वस्थ प्रतियोगिता की भावना को समझने का अवसर देती हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चे मिलकर काम करते हैं, अपने कौशल का विकास करते हैं और टीम वर्क को समझते हैं।

हमारा उद्देश्य बच्चों में सहयोग और आत्मविश्वास बढ़ाना है, ताकि वे न केवल अकादमिक बल्कि व्यक्तिगत जीवन में भी सकारात्मक बदलाव ला सकें।

IEC में इस महीने दीपावली का उत्सव मनाया गया, जिसमें हमने बच्चों को दीपावली के महत्व, इसके कारण और हमारी सांस्कृतिक धरोहर के बारे में बताया।
इस अवसर पर, हमने बच्चों के लिए पेंटिंग और कलरिंग प्रतियोगिताएँ आयोजित कीं, जिसमें उन्होंने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी बच्चों को उनके प्रयासों के लिए उपहार और पुरस्कार भी दिए गए।
यह कार्यक्रम बच्चों में भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान और रचनात्मकता को बढ़ावा देने का एक अच्छा अवसर था।

स्वस्त्या

फिजियोथेरापी दिवस मनाना: समुदाय को शिक्षित करना

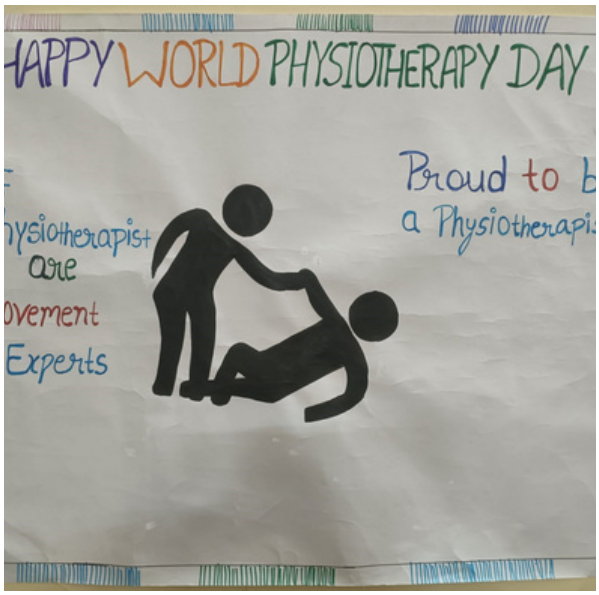

8 सितंबर 2024 को, हमने श्रीनगर प्राइमरी स्कूल और हमारे केंद्र में फिजियोथेरापी दिवस मनाया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य फिजियोथेरापी के महत्व और इसके स्वास्थ्य के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था।

रोमांचक गतिविधियाँ और सूचना सत्र

पूरे दिन, हमने माता-पिता और छात्रों के लिए जानकारीपूर्ण सत्र आयोजित किए, जो हमारी समर्पित टीम द्वारा संचालित किए गए। प्रमुख बातें शामिल थीं:

फिजियोथेरापी का परिचय: समझाया गया कि फिजियोथेरापी क्या है और यह सभी उम्र के लोगों के लिए कैसे फायदेमंद है।
फिजियोथेरापी का महत्व: पुनर्वास, दर्द प्रबंधन और गतिशीलता बढ़ाने में इसकी भूमिका पर चर्चा की गई।
बुनियादी चिकित्सा तकनीकें: सरल व्यायाम और तकनीकें जो माता-पिता अपने बच्चों के शारीरिक विकास के लिए घर पर कर सकते हैं।

दृश्य सहायक सामग्री और संसाधन

समझ को बढ़ाने के लिए, हमने पोस्टर और बैनर तैयार किए जो प्रमुख अवधारणाओं और व्यायामों को दर्शाते थे। ये सामग्री न केवल प्रतिभागियों को शिक्षित करती थी, बल्कि स्वास्थ्य और कल्याण के बारे में संवाद को भी प्रोत्साहित करती थी।

समुदाय पर प्रभाव

यह कार्यक्रम हमारे समुदाय में फिजियोथेरापी के प्रति गहरी सराहना को बढ़ावा देता है। माता-पिता मूल्यवान ज्ञान और व्यावहारिक कौशल के साथ कार्यक्रम से बाहर निकले, जिससे वे अपने परिवारों को स्वस्थ जीवन जीने में मदद कर सकें।

स्वस्त्या

कार्यक्रम का अवलोकन: माता-पिता का आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

हम हमारे हालिया माता-पिता के आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की सफलता साझा करने के लिए उत्साहित हैं, जो कि बालरामपुर में गिफ्टेबल्ड फाउंडेशन में आयोजित किया गया था। इसे समर्पित सवस्थ्य टीम—जिसमें फिजियोथेरपिस्ट अल्बर्ट एक्का और पुनर्वास चिकित्सक नेहा, प्रियंका और कमलेश शामिल थे—द्वारा आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य 30 माता-पिता को उनके बच्चों के साथ रहने वाले विकलांगताओं का समर्थन करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से सशक्त बनाना था।

दिन 1: देखभाल के आधार

पहले दिन ने बुनियादी विषयों पर ध्यान केंद्रित किया, जिनमें शामिल थे:

पीआरटी का परिचय:माता-पिता ने माता-पिता के आवासीय प्रशिक्षण के दृष्टिकोण और इसके महत्व के बारे में सीखा।
विकलांगताओं को समझना:विभिन्न प्रकार की विकलांगताओं और उनके प्रभाव पर चर्चा।
विकलांगता की रोकथाम: विकलांगताओं की रोकथाम के लिए रणनीतियों पर विचार-विमर्श**।**
बुनियादी चिकित्सा प्रदर्शन: चिकित्सीय तकनीकों को स्पष्ट करने के लिए व्यावहारिक प्रदर्शन।
दैनिक गतिविधियों (एडीएल) का प्रशिक्षण: माता-पिता को दैनिक कार्यों में बच्चों की सहायता करने के लिए प्रशिक्षित किया गया।
समूह गतिविधियाँ: माता-पिता के बीच बंधन को बढ़ावा देने के लिए रोचक गतिविधियाँ।
मज़ेदार खेल: सीखने को मनोरंजक बनाने और टीमवर्क को मजबूत करने के लिए इंटरैक्टिव खेल।

दिन 2: समग्र विकास रणनीतियाँ

दूसरे दिन, हमने विशेष विकासात्मक क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया:

भाषा चिकित्सा:संचार कौशल को बढ़ाने के लिए तकनीकें।
खिलाने का प्रशिक्षण: विकलांगता वाले बच्चों के लिए पोषण संबंधी आवश्यकताओं और खाने की तकनीकों **पर** मार्गदर्शन।
समावेशी शिक्षा: मुख्यधारा की शैक्षणिक सेटिंग में बच्चों को एकीकृत करने के तरीकों पर जोर दिया गया।
पोषण प्रशिक्षण: बच्चों के लिए पोषण संबंधी आवश्यकताओं को समझने के लिए।
स्वच्छता प्रथाएँ: बच्चों और माता-पिता दोनों के लिए स्वच्छता पर प्रशिक्षण।
टीएलएम निर्माण प्रशिक्षण: शिक्षा में सहायता के लिए शिक्षण सामग्री बनाने का प्रशिक्षण।
चित्रण, कला और शिल्प गतिविधियाँ: कलात्मक अभिव्यक्ति के लिए रचनात्मक सत्र।

दिन 3: समीक्षा और प्रतिबिंब

अंतिम दिन पिछले दिनों की मुख्य अवधारणाओं की समीक्षा के लिए समर्पित था। माता-पिता को अपने अनुभव साझा करने, प्रश्न पूछने और सीखी गई बातों पर चर्चा करने का अवसर मिला, जिससे उनकी समझ और कौशल में वृद्धि हुई।

आपके निरंतर समर्थन और हमारे सामुदायिक पहलों में भागीदारी के लिए धन्यवाद!

हितधारकों के साथ बैठक

अक्टूबर 2024 में, गिफ्टएबल्ड ने सरकार और शैक्षिक संस्थानों के साथ अपने संबंधों को और अधिक सशक्त बनाने और कार्यक्रम की पहुँच को व्यापक बनाने के उद्देश्य से कई संपर्क गतिविधियाँ कीं। नीति आयोग, श्रावस्ती के जिला आयुक्त, और दिव्यांगता आयुक्त के साथ आयोजित बैठकों से सरकारी सहयोग के नए रास्ते खुलने की संभावनाएँ बनीं। सेवा कुटीर के दृष्टिबाधित विद्यालय के साथ संभावित साझेदारी से शैक्षिक पहुँच को और बढ़ाने के अवसर मिले। इसके अलावा, जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में सहायक उपकरण शिविर आयोजित करने के लिए सरकारी समर्थन प्राप्त हुआ, जिससे समुदाय के बड़े हिस्से तक सेवाओं की पहुँच बन सकी। इन प्रयासों के माध्यम से गिफ्टएबल्ड की पहचान और प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे दिव्यांगता सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण में सहयोग मिलेगा।

आपके समर्थन के लिए आभारी: हमारे सामुदायिक चैम्पियंस

श्री सुधीर गुप्ता

श्री Sudhir जी जो MGNREGA के तहत भिनगा के ग्राम खर्च में रोजगार सेवक के रूप में कार्यरत है। जिनका की प्रोग्राम के प्रचार प्रसार में समुदाय स्तर पर सहयोग प्राप्त हो रहा है। जिनके द्वारा 7 लाभार्थी हमारे कार्यक्रमों में जोड़ा गया है। संस्था के स्थानीय कार्यो में पूरी तत्परता से सहयोग करते ह

MEDIA

my city # हम लोग

श्रीकृष्ण का जन्म होते ही चहुंओर गूंजी बधाई

धूमधाम से मनाई गई जन्माष्टमी, कान्हा की वेशभूषा में सजाए गए बच्चे, श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर किया भजन-कीर्तन

संवाद न्यूज एजेंसी

श्रद्धालुओं को वितरित किया गया प्रसाद

मटका फोड़ में दिव्यांगों ने मनाई खुशी

हिन्दी दैनिक @SadbhavnaAwaj डाक पंजीकृत संख्या-एल 59/जी.डी.ए./2015-2017 RNI-No-UPHIN/2010/38361

यथार्थ हितार्थ **सद्भावना आवाज़**

वर्ष: 14 अंक: 114 बलरामपुर, गुरुवार, 10 अक्टूबर 2024 पृष्ठ-4 मूल्य-दो रुपये

गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन का स्वावलंबन की दिशा में अहम प्रयास

सद्भावना आवाज़

बलरामपुर। गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन ने भींगा में विकलांग व्यक्तियों के लिए आयोजित छह महीने के सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल समापन का भव्य आयोजन किया। यह कार्यक्रम 8 अक्टूबर 2024 को आयोजित किया गया, जिसमें भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों के लिए प्रमाणपत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विकलांग व्यक्तियों को स्वावलंबी बनाना और उनके लिए आजीविका के नए अवसर प्रदान करना था।समापन समारोह में कई प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया, जिनमें शिल्पा सिन्हा, क्षेत्रीय प्रमुख; संतोष कश्यप और प्रशांत, वरिष्ठ प्रबंधक; तथा ताहिर, मास्टर ट्रेनर शामिल थे। इन सभी अतिथियों ने प्रशिक्षण के सफल समापन पर प्रतिभागियों की सराहना की और उन्हें भविष्य में आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।शिल्पा सिन्हा क्षेत्रीय प्रमुख, ने इस मौके पर कहा, यह कार्यक्रम विकलांग व्यक्तियों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें समाज के मुख्यधारा में शामिल करने की दिशा में हमारा एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इस प्रशिक्षण से न केवल उनके कौशल में वृद्धि हुई है, बल्कि इससे उन्हें आत्मसम्मान और सम्मान के साथ अपनी आजीविका चलाने का एक नया अवसर भी मिला है। उन्होंने प्रतिभागियों की मेहनत और लगन की तारीफ करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विकलांग व्यक्तियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाते हैं।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य विकलांग व्यक्तियों को सिलाई के क्षेत्र में कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना था, ताकि वे खुद के लिए आजीविका कमा सकें और आत्मनिर्भर बन सकें। प्रशिक्षण के दौरान, प्रतिभागियों को सिलाई के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई, जिसमें परिधान निर्माण, डिज़ाइनिंग, माप लेने की तकनीक, और अन्य बुनियादी व उन्नत सिलाई तकनीकें शामिल थीं। मास्टर ट्रेनर ताहिर ने बताया कि प्रतिभागियों ने अत्यंत समर्पण के साथ इस प्रशिक्षण को पूरा किया और अब वे व्यावसायिक रूप से सिलाई के काम को अपनाने के लिए तैयार हैं। ताहिर ने कहा, यह केवल सिलाई का प्रशिक्षण नहीं था, बल्कि इन प्रतिभागियों को एक नई दिशा देने का प्रयास था। प्रशिक्षण के दौरान हमनें उन्हें बाजार की आवश्यकताओं के अनुसार काम करने के लिए तैयार किया है गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन ने इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करके यह स्पष्ट किया कि वह विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए अपने प्रयासों को जारी रखेगा। फाउंडेशन के वरिष्ठ प्रबंधक संतोष कश्यप ने कहा, हमारे लिए यह गर्व का विषय है कि हम ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से विकलांग व्यक्तियों को नई संभावनाओं के द्वार खोलने में मदद कर पा रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि हम भविष्य में और भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करें, जिससे विकलांग व्यक्तियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आए।फाउंडेशन का मानना है कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम विकलांग व्यक्तियों को समाज में समान अवसर प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। प्रतिभागियों को न केवल कौशल में वृद्धि करने का मौका मिला, बल्कि इससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। फाउंडेशन आने वाले समय में और भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहा है, जो विकलांग व्यक्तियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाए और उनके जीवन में स्थिरता लाए।